PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, रविवार, 13 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

जमीन खरीदी, फिर कब्जे का आरोप: पीएम मोदी के 81 वर्षीय सहपाठी ने मांगा न्याय, 1989 से लड़ रहे कानूनी लड़ाई

2015 में दर्ज हुई थी FIR

वोहरा के अनुसार, इस मामले में 2015 में FIR दर्ज की गई थी और मामला अभी अदालत में लंबित है। उन्होंने बताया कि इसके बाद से वह राजस्व विभाग, नगर निकाय और पुलिस अधिकारियों से लगातार मामले के समाधान की मांग करते रहे हैं। सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस का संबंध भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता से बताया गया है। हालांकि, जमीन विवाद को लेकर वोहरा की ओर से लगाए गए आरोपों पर मामला अदालत में लंबित है।

मंत्री ने जारी की पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरें

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने प्रधानमंत्री मोदी और असगरअली वोहरा की मुलाकात की तस्वीरें और प्रेस नोट जारी किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी अपने पुराने स्कूलमेट के मामले में न्याय सुनिश्चित कराने में मदद करेंगे।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद स्थानीय नगर प्रशासन ने भी मामले का संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की गई है। प्रशासन ने सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस और स्वयं बिल्डर्स के प्रतिनिधियों को सुनवाई के दौरान मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

81 वर्षीय असगरअली वोहरा ने दशकों पुराने जमीन विवाद में न्याय और सीबीआई जांच की मांग को लेकर अपने पुराने सहपाठी पीएम मोदी से मुलाकात की। 1989 में खरीदी जमीन को लेकर क्या है पूरा विवाद? महाराष्ट्र के मीरा रोड निवासी 81 वर्षीय असगरअली वोहरा ने अपने दशकों पुराने जमीन विवाद में न्याय की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वोहरा ने मामले में प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने और सीबीआई जांच कराने की मांग की है। दोनों ने गुजरात के वडनगर स्थित बीएन स्कूल में साथ पढ़ाई की थी। वोहरा ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। उनका कहना है कि पीएम मोदी की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद उन्हें न्याय की उम्मीद जगी है।

1989 में खरीदी थी करीब 2,810 वर्ग मीटर जमीन

असगरअली वोहरा के मुताबिक, उन्होंने 1989 में भायंदर ईस्ट के नवघर इलाके में करीब 2,810 वर्ग मीटर जमीन एक पंजीकृत समझौते के जरिए खरीदी थी। उनका आरोप है कि वर्ष 2011 में इस जमीन पर स्वयं बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस ने कब्जा कर लिया। वोहरा ने आरोप लगाया है कि संपत्ति से जुड़े फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और मूल मालिक को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई। उनका दावा है कि जमीन को दो हिस्सों में बांटकर दोनों हिस्सों पर स्वयं बिल्डर्स और सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस का कब्जा दिखाया गया।

मलयेशियाई पीएम का हिंदी प्रेम: 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत', दिल्ली में ब्रिक्स से इतर अनवर इब्राहिम की गायिकी

ब्रिक्स देशों की बैठक में मेहमान बनकर भारत आए मलयेशियाई प्रधानमंत्री का हिंदी प्रेम दिल्ली में दिखा। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ तीन देवियां फिल्म का गाना- 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गुनगुनाया। दिल्ली में ब्रिक्स देशों की बैठक से इतर अनवर इब्राहिम की गायिकी का वीडियो उन्होंने खुद साझा भी किया। भारत में लगभग 61 साल पहले आई फिल्म तीन देवियां कई मायनों में खास हैं। अभिनय और पटकथा के अलावा फिल्म के गीत-संगीत छह दशकों के बाद भी फिल्म और गीत-संगीत से प्रेम करने वाले लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इस फिल्म के गीत- 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' के प्रशंसकों में एक नाम मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का भी है। उन्होंने खुद इसकी मिसाल भी पेश की है। देश में हर साल 14 सितंबर को मनाए जाने वाले हिंदी दिवस से पहले इस भाषा से प्रेम की अनोखी मिसाल सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

प्रधानमंत्री की गायिकी का वीडियो पसंद कर रहे फोलोअर्स

दरअसल, दिल्ली में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन से इतर अनवर इब्राहिम की गायिकी सोशल मीडिया वीडियो के माध्यम से सामने आई। वीडियो में इब्राहिम भारत के पियानो बजाने वाले कलाकार के साथ फुरसत के पलों में 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गाना गुनगुनाते देखे गए।

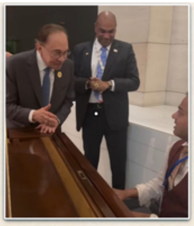

एक्स हैंडल पर ये वीडियो साझा किए जाने के बाद यूजर्स ने दिलचस्प कमेंट्स भी किए हैं।

क्यों खास है पीएम इब्राहिम का गुनगुनाना?

किशोर कुमार की आवाज में रिकॉर्ड इस सदाबहार फिल्मी गीत के लिरिक्स मजरूह सुलतानपुरी ने लिखे हैं। गाने के लिरिक्स कितने लोकप्रिय हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी लोग अपनी भावनाओं का इजहार करने के लिए इस नग्मे को गुनगुनाते देखे जा सकते हैं। हिंदी या हिंदुस्तानी जबान से लगाव रखने वाले लोगों के लिए ये गीत या मलयेशिया जैसे देश के प्रधानमंत्री की तरफ से हिंदी भाषा के गीत को गुनगुनाना इसलिए भी विशेष अवसर बन गया क्योंकि 14 सितंबर के हिंदी दिवस से पहले एक विदेशी मेहमान ने भाषा को लेकर अपने आचरण से बड़ा संदेश दिया।

ब्रिक्स देशों की बैठक में भारत की मेहमानवाजी पर क्या चर्चा?

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों के लिए भारत ने मेहमानवाजी के विशेष बंदोबस्त किए हैं। भोजन की मेज से लेकर उपहार के तौर पर दिए जाने वाले वस्तुओं में भी भारत की कला और संस्कृति की झलकियां देखी गई हैं। जयपुर के करीब 300 कारीगरों ने मेहमानों के चांदी की परत वाले भोजन के खास बर्तन भी तैयार किए।

Aligarh News: संरक्षित पशु के अवशेष मिलने पर किया हंगामा

सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि लोगों को आश्वस्त किया गया है कि मामले की जांच की जा रही है। 24 घंटे में मामले का खुलासा कर आरोपियों को कानून के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।

क्वार्सी थाना क्षेत्र की फोर सिटी कॉलोनी, नगला पटवारी के पीछे शनिवार सुबह खुले में संरक्षित पशु के अवशेष मिलने से लोगों में रोष फैल गया। जानकारी होने पर गोरक्षा दल के सदस्य मौके पर पहुंच गए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने 24 घंटे में मामले के खुलासे का भरोसा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार सुबह स्थानीय लोग टहल रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर खेत में पड़े अवशेषों पर पड़ी। देखते ही देखते मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। अवशेषों के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। इसके बाद जेसीबी की मदद से अवशेषों को दफना दिया गया। गोरक्षा दल के पदाधिकारी सचिन राघव की ओर से थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर तहरीर दी गई है। प्रदर्शन के दौरान सचिन राघव के साथ गौरव राणा, विवेक कुमार, मनीष, करन और जितेंद्र समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाराष्ट्र से उत्तराखंड तक बारिश का कहर: मुंबई एयरपोर्ट के पास जलभराव, चीन सीमा का पुल बहा; बिगड़ेंगे हालात?

महाराष्ट्र में भारी बारिश के बाद मुंबई एयरपोर्ट के आसपास जलभराव की स्थिति बनी, वहीं गुजरात के भरूच में भी अंडरपास पानी में डूब गया। उत्तराखंड में बारिश के तेज बहाव में चीन सीमा से जुड़ा 170 मीटर लंबा बेली ब्रिज बह गया, जिससे 35 गांवों की 30 हजार से ज्यादा आबादी प्रभावित हुई है। मिजोरम में भूस्खलन से एक किशोर की मौत हुई, जबकि बिहार में 48.22 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में कई राज्यों में फिर भारी बारिश का अनुमान जताया है। महाराष्ट्र में भारी बारिश के बाद मुंबई में कई जगह पानी भर गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के आसपास भीषण जलभराव देखने को मिला। बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। गुजरात के भरूच में भी देर रात हुई तेज बारिश के बाद कासक अंडरपास में भारी जलभराव हो गया। तस्वीरें बता रही हैं कि कई इलाकों में बारिश के बाद पानी निकालना बड़ी चुनौती बन गया है।

उत्तराखंड में बारिश ने चीन सीमा का संपर्क काट दिया

बारिश का सबसे बड़ा असर उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में देखने को मिला है। तवाघाट-गुंजी हाईवे पर कुलागाड़ में बना 170 मीटर लंबा बेली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। यह पुल दारमा, व्यास और चौदास घाटियों को जोड़ता था। पुल टूटने के बाद तीनों घाटियों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इसका असर चीन सीमा से जुड़े 35 गांवों की 30 हजार से ज्यादा आबादी पर पड़ा है। सीमा पर तैनात सैनिकों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं।

- बीआरओ ने चार सितंबर को ही पुल तैयार किया था, जिसके जरिए चीन सीमा से लगी तीनों घाटियों का संपर्क बहाल हुआ था।

35 गांवों की 30 हजार से ज्यादा आबादी प्रभावित, पुल टूटने से इन इलाकों का संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया।

नया पुल तेज पानी के सामने नहीं टिक पाया

शुक्रवार रात हुई अतिवृष्टि के बाद कुलागाड़ में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया। इसी तेज बहाव में हाल ही में बनाया गया बेली ब्रिज बह गया। पुल बहकर काली नदी के रास्ते नेपाल की सीमा की ओर पहुंच गया। उधर, टनकपुर-पिथौरागढ़ हाईवे पर घाट बैंड के पास पहाड़ी से बोल्डर और पत्थर गिरने लगे। इससे करीब 10 घंटे तक सड़क पर आवाजाही बंद रही। सैकड़ों यात्री और वाहन हाईवे पर फंस गए, इनमें टैक्सी, बस और मालवाहक वाहन भी शामिल थे। करीब 10 घंटे तक सड़क पर आवाजाही ठप रही, पहाड़ी से लगातार बोल्डर और पत्थर गिरने से रास्ता बंद रहा।

मिजोरम में भूस्खलन, बिहार में लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित

बारिश का असर उत्तराखंड तक सीमित नहीं है। मिजोरम में भारी बारिश के बाद भूस्खलन हुआ, जिसमें 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। हादसे में चार लोग घायल भी हुए हैं। वहीं बिहार में बाढ़ से 15 जिलों के 48.22 लाख से ज्यादा लोग अब भी प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

क्या बारिश का यह दौर अभी और मुश्किल बढ़ाएगा?

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। 12 से 14 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में गरज और बिजली चमकने के साथ भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। 15 से 17 सितंबर के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में भारी बारिश के आसार हैं। 16 और 17 सितंबर को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में भी भारी बारिश हो सकती है। वहीं 13 और 14 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश हो सकती है।

सब्जियों का राजा: जेवर एयरपोर्ट से विदेश पहुंचेगा अलीगढ़ का आलू, यूपी के 17 जिलों को मिलेगा लाभ

अलीगढ़ से 30 टन आलू जल्द बहरीन भेजने की तैयारी है। इसमें फ्राई सोना और फ्राई होम किस्में शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल फ्रेंच फ्राइज और चिप्स बनाने में होता है। अलीगढ़ के आलू को अब विदेशी बाजार तक पहुंचाने का रास्ता जेवर एयरपोर्ट से खुलेगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आलू निर्यात की प्रक्रिया और सर्टिफिकेशन के लिए अलग भवन बनाया जाएगा। इससे किसानों और एफपीओ को निर्यात से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाओं के लिए दूसरे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। शनिवार को आगरा में आयोजित अंतरराज्यीय आलू क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में प्रदेश के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इसकी घोषणा की। उद्यान विभाग के मुताबिक, इसका लाभ प्रदेश के 17 प्रमुख आलू उत्पादक जिलों को मिलने की उम्मीद है। उप निदेशक उद्यान डॉ. बलजीत सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय से करीब 76 किलोमीटर दूर जेवर एयरपोर्ट अलीगढ़ के लिए बेहतर विकल्प है। पलवल हाईवे और यमुना एक्सप्रेसवे से इसकी कनेक्टिविटी होने के कारण स्थानीय एफपीओ और किसान यहां से आलू को विदेशी बाजारों तक भेज सकेंगे। जिले में इस समय करीब 6.5 लाख टन आलू 126 कोल्ड स्टोर में भंडारित है। इसे खपाने के लिए ओडिशा समेत दूसरे राज्यों के खरीदारों से बातचीत चल रही है। आगरा में आयोजित क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में दूसरे राज्यों के कारोबारियों से भी बातचीत हुई। विभाग को उम्मीद है कि इससे अलीगढ़ के किसानों को ओडिशा समेत दूसरे राज्यों में नए खरीदार मिलेंगे। पहले लखनऊ से भेजा, अब जेवर से भेज सकेंगे

- एग्री शाइन एफपीओ के संचालक जितेंद्र अवस्थी ने बताया कि हाल ही में उन्होंने 12 क्विंटल आलू हवाई जहाज से बहरीन भेजा था। इसके लिए लखनऊ एयरपोर्ट जाना पड़ा। जेवर से निर्यात की सुविधा शुरू होने पर अलीगढ़ के किसानों और एफपीओ को लखनऊ की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।
- कोमलिका एफपीओ के संचालक कैप्टन आरपी पचौरी ने कहा कि आलू की बड़ी बेल्ट में ही निर्यात की सुलभ सुविधा मिलने से किसानों को बड़ा फायदा होगा।

अलीगढ़ कोल्ड स्टोर्स ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गिर्राज गोदानी ने कहा कि निर्यात की सुविधा बढ़ने से किसानों को बेहतर बाजार मिलेंगे और आलू की बेहतर किस्मों की ओर भी रुझान बढ़ेगा।

भाव गिरा तो 100 रुपये प्रति क्विंटल की राहत

आलू के भाव में उतार-चढ़ाव से किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने 1000 करोड़ रुपये का भामाशाह भावांतर कोष बनाया है। इसके तहत किसानों को 100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाएगा। कोल्ड स्टोर के किराये में राहत के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बलभद्र शीतगृह, खैर के संचालक श्रीकांत शर्मा ने बताया कि भावांतर योजना किसानों को बाजार में भाव गिरने की स्थिति में बड़ी राहत दे सकती है। कोल्ड स्टोर किराये में राहत के लिए किसान आवेदन भी कर रहे हैं।

30 टन आलू जाएगा बहरीन

अलीगढ़ से 30 टन आलू जल्द बहरीन भेजने की तैयारी है। इसमें फ्राई सोना और फ्राई होम किस्में शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल फ्रेंच फ्राइज और चिप्स बनाने में होता है। एग्री शाइन एफपीओ के संचालक जितेंद्र अवस्थी ने बताया कि इस बार आलू कंटेनर के जरिये समुद्री मार्ग से बहरीन भेजा जाएगा।

अखिलेश से बेहतर योगी' के नारे पर दांव लगाएगी भाजपा, मैराथन बैठक में हुआ मंथन

यूपी चुनाव को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष और विनोद तावड़े ने पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक की। इस दौरान सभी पदाधिकारियों से चुनाव की चुनौतियों से निपटने के सुझाव लिए गए। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा 'अखिलेश से बेहतर योगी' के नैरेटिव को लेकर मैदान में उतरेगी। पार्टी का सुझाव है कि विपक्ष द्वारा सरकार को लेकर प्रचारित नकारात्मक बातों का तथ्यों के साथ जवाब दिया जाएगा। ये सुझाव शनिवार को भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में सामने आए।पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और सह प्रभारी जगदीश ईश्वर भाई पटेल ने अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और पार्टी पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक कर वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से सुझाव लिए। ज्यादातर पदाधिकारियों ने सुझाव दिए कि विपक्ष के नैरेटिव में उलझने के बजाय पार्टी को विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर काम करना चाहिए। खासकर सपा के पीडीए को लेकर विपक्ष जिस तरह से आक्रामक है, उसका जवाब सोशल मीडिया से दिया जाए।करीब चार घंटे तक चली बैठक में बीएल संतोष ने कहा कि अब चुनाव होने में कम ही समय बचा है, इसलिए सरकार क्या-क्या कर सकती है इस पर फोकस होना चाहिए। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि विपक्ष जिस तरह से सरकार के खिलाफ नैरेटिव बना रही है उसका जवाब देने के लिए जनता को सपा सरकार की कमियों को प्रमाणिक तरीके से जनता को बताना होगा। वहीं, भाजपा सरकार के अच्छे कामों, कानून-व्यवस्था, जनसुविधाओं, महिला सुरक्षा, औद्योगिक विकास, सड़क बिजली और रोजगार के लिए किए गए बेहतर कार्यों के जरिये समझाना होगा।जातियों को लेकर विपक्ष के नैरेटिव से भी निपटने पर चर्चा हुई। नेताओं ने सुझाव दिए कि सपा के पीडीए फॉर्मूले के जवाब में भाजपा सभी जातियों को हिंदू समाज के तौर पर पेश करेगी। बैठक में सभी प्रदेश महामंत्रियों के अलावा चार पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही और राम रमापति त्रिपाठी भी शामिल थे। तीन पूर्व उपाध्यक्षों संतोष सिंह, त्रयंबक त्रिपाठी और धमेंद्र सिंह को भी बैठक में बुलाया गया था।

थानों व तहसीलों पर सुनवाई हो

पदाधिकारियों ने सुझाव दिए कि थाने-तहसील पर सुनवाई न होने से जनता में नाराजगी है। इसे दुरुस्त करने की जरूरत है। क्षेत्रीय व स्थानीय पार्टी के पदाधिकारियों की भी अधिकारी नहीं सुनते, जिससे जनता के बीच गलत संदेश जा रहा है। बैठक में बताया गया कि कई ऐसे अधिकारी हैं जो अंदरखाने से सपा के पक्ष माहौल बनाने में जुटे हैं। ऐसे अधिकारियों को चिह्नित करने की जरूरत है।

महामंत्रियों को दिया जीत का टास्क

बीएल संतोष ने सभी महामंत्रियों के साथ अलग से भी बैठक की जिसमें उन्होंने एक महीने तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के साथ ही विधानसभा चुनाव जीतने का भी टास्क दिया है। उन्हें क्षेत्र में प्रवास करने और जनता से नियमित संवाद करने को भी कहा गया है। संतोष ने मोर्चा और प्रकोष्ठों के गठन का काम भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

यूपी होमगार्ड फिजिकल की नई तारीख

UP Home Guard Physical New Date: उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा 15 सितंबर 2026 से आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने अभ्यर्थियों के लिए संशोधित प्रवेश पत्र जारी करने की तारीख भी बता दी है। पुराने प्रवेश पत्र से परीक्षा देने की अनुमति नहीं होगी।UP Home Guard PET 2026: उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने होमगार्ड के पदों पर एनरोलमेंट-2025 के तहत शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की तारीख घोषित कर दी है। बोर्ड की 11 सितंबर 2026 को जारी सूचना के अनुसार, पीईटी का आयोजन 15 सितंबर 2026 से किया जाएगा। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के निर्देश दिए हैं।

कब जारी होगा संशोधित प्रवेश पत्र?

- बोर्ड के अनुसार, शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के संशोधित प्रवेश पत्र 13 सितंबर 2026 को बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।
- अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर अपना संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश पत्र में परीक्षा केंद्र, परीक्षा की तारीख और परीक्षा का समय जैसी जरूरी जानकारी दी जाएगी।

पुराने प्रवेश पत्र से परीक्षा दे पाएंगे या नहीं?

नहीं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि संशोधित तारीखों के लिए पहले जारी किए गए प्रवेश पत्र मान्य नहीं होंगे।

- अभ्यर्थियों को 13 सितंबर को जारी होने वाला संशोधित प्रवेश पत्र ही डाउनलोड करना होगा।
- प्रवेश पत्र में दर्ज परीक्षा केंद्र पर निर्धारित तारीख और समय पर उपस्थित होना होगा।

इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह है कि संशोधित प्रवेश पत्र जारी होने के बाद उसमें दी गई सभी जानकारियों को ध्यान से जांच लें।

प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में दिक्कत हो तो क्या करें?

यदि किसी अभ्यर्थी को संशोधित प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में परेशानी होती है, तो वह उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की हेल्पलाइन (08065075069) पर संपर्क कर सकता है।

निधि तुम बहुत अच्छी हो'

सल्फास खाकर फंदे पर लटका सिपाही, इसलिए दी जान

ब्रिक्स सम्मेलन ने लौटाया 80 के दशक वाला कनॉट प्लेस

ग्लोबल आयोजन का लोकल असर

कनॉट प्लेस का नजारा इन दिनों ऐसा है मानो दिल्ली ने अपने पुराने एलबम का एक पन्ना फिर खोल दिया हो। सफेद इमारतों के नीचे खुले गलियारे, पैदल चलने के लिए पर्याप्त जगह और दुकानों के सामने कम भीड़ ने कनॉट प्लेस को उसके पुराने रूप की याद दिला दी। फर्क सिर्फ इतना है कि 80 के दशक में यह इसकी रोजमर्रा की तस्वीर थी, जबकि अब अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के आगमन पर नजर आ रही है।ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के तहत कनॉट प्लेस में अवैध रेहड़ियों और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। गलियारों से अस्थायी दुकानें और रेहड़ियां हटने के बाद पैदल आवाजाही के लिए जगह खुल गई। कई स्थानों पर बैठने की जगह भी साफ नजर आ रही है।भिखारियों और खुले में रहने वाले लोगों की मौजूदगी आम दिनों की तुलना में कम दिखाई दी। कार्रवाई के बाद कनॉट प्लेस का वह स्वरूप सामने आया, जिसे यहां के पुराने व्यापारी और दिल्लीवासी 80 के दशक की अपनी यादों से जोड़ते हैं। हालांकि, इस बदलाव ने व्यवस्था पर सवाल भी खड़े किए हैं। उनका सवाल है कि जब बड़े आयोजन के दौरान कुछ घंटों की कार्रवाई से बाजार के गलियारे खुले और व्यवस्थित किए जा सकते हैं, तो सामान्य दिनों में यही व्यवस्था क्यों कायम नहीं रह सकती? मुताबिक 80 के दशक में कनॉट प्लेस के गलियारे मुख्य रूप से पैदल आवाजाही के लिए खुले रहते थे। दुकानों के सामने पर्याप्त जगह होने से80 के दशक का कनॉट प्लेस याद कर रहे व्यापारीस्थानीय व्यापारियों के बाजार की गोलाकार संरचना भी स्पष्ट दिखाई देती थी। समय के साथ रेहड़ियों, अस्थायी दुकानों और अतिक्रमण के बढ़ने से यह जगह लगातार सिकुड़ती गई। कनॉट प्लेस स्थित एक कैफे संचालक शेखर का कहना है कि सम्मेलन के दौरान अगर पुराने स्वरूप को वापस लाया जा सकता है तो इसे केवल आयोजन तक सीमित रखने का कोई औचित्य नहीं है। उनके मुताबिक नियमित निगरानी और कार्रवाई से बाजार को स्थायी रूप से व्यवस्थित रखा जा सकता है।जी-20 के बाद फिर उठा स्थायी समाधान का मुद्दा कनॉट प्लेस के दुकानदारों का कहना है कि जी-20 सम्मेलन के दौरान भी इसी तरह अतिक्रमण हटाया गया था। तब भी कुछ दिनों तक बाजार के गलियारे खुले और साफ दिखाई दिए, लेकिन आयोजन समाप्त होने के बाद स्थिति धीरे-धीरे पहले जैसी हो गई। कनॉट प्लेस में रेहड़ी-पटरी और अतिक्रमण का मुद्दा लंबे समय से विवादित रहा है। व्यापारी संगठन इस मामले में प्रदर्शन के साथ कानूनी लड़ाई भी लड़ते रहे हैं। उनका आरोप है कि कार्रवाई के बाद कुछ समय बीतते ही गलियारों में फिर अवैध दुकानें और रेहड़ियां लौट आती हैं।

पुलिस परेड ग्राउंड में फंदे पर लटका सिपाही

- शव के पास मिला सल्फास का पैकेट और पानी की बोतल
- सुबह दौड़ लगाने पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दी घटना की

आगरा पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही का शव परेड ग्राउंड में लोहे की सीढ़ी पर रस्सी के फंदे से लटका मिला। सुबह दौड़ लगाने पहुंचे पुलिसकर्मियों ने घटना की सूचना अधिकारियों को दी। शव के पास पानी की बोतल और सल्फास का पैकेट भी मिला। साथ ही सुसाइड नोट में कोई परेशानी नहीं होने और परिवार की बातें लिखी हैं।भगवानजी आप मुझे रोज रात सपने में आकर अपने पास बुलाते थे। आपका शिष्य आपकी इच्छा से आपके पास आ रहा है। मुझे अपने चरणों में जगह दीजिएगा। मम्मी-पापा आप दोनों की सेवा का कर्ज बाकी रह गया है। अगले जन्म में मैं अपना फर्ज पूरा करूंगा...सुसाइड नोट में ऐसी भावनात्मक बातें लिखकर सिपाही अनुज पवार ने जान दे दी। उसने अचानक ऐसा कदम कैसे उठा लिया, यह सवाल अधिकारियों से लेकर सहकर्मियों और परिजन को सभी को चिंतित किए है।हर वक्त मुस्कुराते रहने वाले अनुज के मन में ऐसी कौन सी उथल-पुथल चल रही थी। यह किसी को समझ में नहीं आ रही। पिता सुभाष पवार और भाई जैसे ही पोस्टमार्टम गृह पहुंचे तो साथी पुलिसकर्मियों ने उनसे अनुज के इस कदम के बारे में पूछा। सवाल सुनकर पिता बोले मेरा बेटा तो हंसते हुए घर से ड्यूटी के लिए आया था। शुक्रवार रात देर तक सभी से बात हुई। किसी को नहीं लगा कि उसके मन में कुछ गलत चल रहा है। पिता बार-बार खुद को संभाल रहे थे लेकिन उनकी आंखें भीग जा रही थीं। अनुज के पास मिले सुसाइड नोट को पुलिस अधिकारियों ने कई बार पढ़ा लेकिन कोई परेशानी समझ में नहीं आई। साथियों से भी कभी अवसाद की चर्चा नहीं की थी। यह जरूर था कि बीते कुछ समय से भक्ति बढ़ गई थी। नियम से मंदिर जाना दिनचर्या में था। मोबाइल पर भी धार्मिक साहित्य ही देखते थे।पिता बार-बार खुद को संभाल रहे थे लेकिन उनकी आंखें भीग जा रही थीं। अनुज के पास मिले सुसाइड नोट को पुलिस अधिकारियों ने कई बार पढ़ा लेकिन कोई परेशानी समझ में नहीं आई। साथियों से भी कभी अवसाद की चर्चा नहीं की थी। यह जरूर था कि बीते कुछ समय से भक्ति बढ़ गई थी। नियम से मंदिर जाना दिनचर्या में था। मोबाइल पर भी धार्मिक साहित्य ही देखते थे।मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के निदेशक प्रो. दिनेश राठौर ने बताया कि मेनिया एक ऐसी मानसिक बीमारी है, जिसमें लोगों में भय खत्म हो जाता है। वह खुद ईश्वरीय, राजनैतिक या फिर धनबल की शक्ति से खुद को जोड़ लेते हैं। ऐसी स्थिति में वह बड़ी-बड़ी बातें करने लगते हैं। आत्मघाती कदम भी उठा सकते हैं।

बदरीनाथ के तप्तकुंड में ज्यादा डुबकी सेहत के लिए खतरनाक

चक्कर, मूर्छा या हृदय संबंधी परेशानी की आशंका

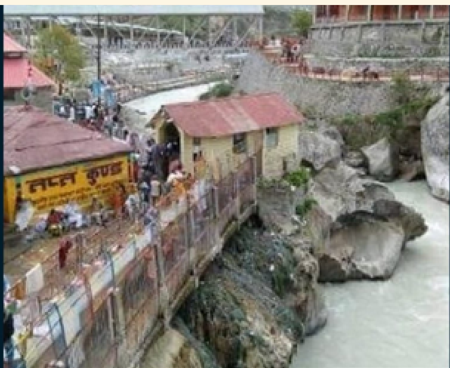

चिकित्सकों के अनुसार, कुंड में प्राकृतिक रूप से निकलने वाले सल्फरयुक्त गर्म पानी में ज्यादा देर तक स्नान करना घातक हो सकता है। इससे चक्कर आने, मूर्छा आने और हृदय संबंधी परेशानी का खतरा बढ़ता है।

बदरीनाथ धाम स्थित तप्तकुंड में आस्था की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। चिकित्सकों के अनुसार, कुंड में प्राकृतिक रूप से निकलने वाले सल्फरयुक्त गर्म पानी में ज्यादा देर तक स्नान करना घातक हो सकता है। इससे चक्कर आने, मूर्छा आने और हृदय संबंधी परेशानी का खतरा बढ़ता है।

बदरीनाथ के सरकारी अस्पताल के प्रभारी डॉ. सचिन राणा ने बताया कि कुंड का पानी प्राकृतिक रूप से गर्म और सल्फरयुक्त है। तप्तकुंड क्षेत्र में गर्म हवाओं के कारण ऑक्सीजन का दबाव भी कम रहता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को अधिकतम दो से तीन डुबकी लगाने के बाद कुंड से बाहर आने की सलाह दी।

स्थानीय लोग भी कुंड में अधिक देर तक नहीं रुकते हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को तप्तकुंड में 108 डुबकी लगाने के दौरान दो महिलाओं की मौत हो गई थी। 71 वर्षीय रामू देवी और 63 वर्षीय प्रेमा देवी सगी बहनें थीं। वे करीब एक सप्ताह से प्रतिदिन 108 डुबकी लगा रही थीं। दोनों की हृदय गति रुकने से मौत हो गई।

ब्रिक्स समिट 2026: भारत-चीन संबंधों को लेकर घबराया यूएसए, सम्मेलन को लेकर अमेरिकी अखबारों में क्या छपा?

ब्रिक्स सम्मेलन पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। खासकर अमेरिका और पश्चिमी देश इस पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिकी मीडिया ने भी ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर काफी कुछ लिखा है। जिसमें सबसे ज्यादा भारत-चीन संबंधों को लेकर चर्चा की गई है। अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन, ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

भारत को लेकर चीन की क्या है मुख्य चिंता?

अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।' चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन में भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है। तृप्ति लाहिड़ी और ऑस्टिन रैमजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई थी, जिसकी वजह नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद जैसे मुद्दे थे। नई दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने जर्नल को बताया, 'भारत स्थिति को फिर से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।' अखबार ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में कोई भी सुधार सीमा विवाद के अनसुलझे रहने, पाकिस्तान के साथ चीन के करीबी रिश्तों और हिंद महासागर में सुरक्षा प्रतिस्पर्धा की वजह से सीमित है। सुन ने जर्नल को बताया, 'चीनी पक्ष भी देख रहा है कि भारत सही समय का इंतजार कर रहा है और बेहतर विकल्पों पर काम कर रहा है, जो भविष्य में सामने आ सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे चीन-भारत संबंधों में मौजूदा सुधार की सतही प्रकृति और बढ़ जाती है।'

'ब्रिक्स में संतुलन बनाना भारत के लिए चुनौती'

वाशिंगटन पोस्ट ने एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों एजाज हुसैन और शेख सालिक की रिपोर्टें प्रकाशित कीं, जिनमें इस शिखर सम्मेलन को भारत के लिए एक मुश्किल संतुलन बनाने वाली कवायद बताया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि बैठक में शामिल होने वाले नेताओं में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और शी शामिल थे। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन और पेजेश्कियान के साथ अलग-अलग बातचीत की। वाशिंगटन 'पोस्ट' में छपी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़े हुए ग्रुप के 11 सदस्य ग्लोबल ऑर्डर में अधिक प्रभाव चाहते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े हित अलग-अलग हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनियर एनालिस्ट प्रवीण डोंथी ने एपी को बताया, 'ग्लोबल साउथ कोई एक जैसा ग्रुप नहीं है। इसलिए, इस ग्रुप के लिए इन झगड़ों को संभालना और उनमें मध्यस्थता करना मुश्किल होगा।'रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध इन मतभेदों को सामने ला सकते हैं। भारत के रूस और ईरान के साथ पुराने संबंध हैं, जबकि वह अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी अपनी साझेदारी बढ़ा रहा है।

विदेश के समाचार: उत्तर कोरिया में पूर्वी तट के पास से मिसाइल दागे जाने की खबर; अमेरिका में 9/11 हमले की बरसी

उत्तर कोरिया ने अपने नवीनतम हथियार प्रदर्शन के तहत समुद्र की ओर एक अज्ञात मिसाइल दागी है। यह प्रक्षेपण शनिवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से समुद्र में हुआ। यह घटना अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास के एक दिन बाद हुई है। उत्तर कोरिया इस अभ्यास को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है। इस घटना की जानकारी दक्षिण कोरिया की सेना ने दी है। सैन्य अभ्यास को लेकर दक्षिण कोरिया की सेना का कहना है कि 'फ्रीडम एज' अभ्यास रक्षात्मक प्रकृति का था। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों के खिलाफ संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना था। अभ्यास शुरू होने के कुछ घंटों बाद, उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग गी ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया "शक्ति के दृष्टिकोण से मजबूत जवाबी कार्रवाई" करने में सक्षम है।

अमेरिका में 9/11 हमले की बरसी, ट्रंप ने दी श्रद्धांजलि

अमेरिका ने 11 सितंबर, 2026 को 9/11 आतंकवादी हमलों की 25वीं बरसी मनाई। देश ने उस भयावह घटना और मृतकों को याद किया। 11 सितंबर, 2001 को अल-कायदा के चरमपंथियों ने चार वाणिज्यिक जेट विमानों का इस्तेमाल कर न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला किया था। पेंटागन और पेंसिलवेनिया के शंकसविले के पास भी विमान गिराए गए थे। इन हमलों में करीब 3,000 लोग मारे गए थे। बरसी पर मृतकों की याद में माल्यार्पण किया गया। मौन रखने के बाद पीड़ितों के नाम संदेश भी पढ़े गए। एक सर्वेक्षण के अनुसार, आधे अमेरिकी वयस्कों के लिए यह उनके जीवन की सबसे ऐतिहासिक घटना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन में आयोजित समारोह में कहा कि 11 सितंबर ने हमें नफरत की हदें याद दिलाईं। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश समेत कई नेता न्यूयॉर्क में स्मारक कार्यक्रम में थे। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक के मुताबिक उन्होंने 9/11 हमले में अपने 658 सहयोगियों को खोया था।

फिलीपींस में फेरी हादसे में मृतकों का आकड़ा पहुंचा 35

फिलीपींस में बुधवार रात एक यात्री फेरी में लगी भीषण आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। हादसा दक्षिण-पश्चिमी पलावन प्रांत में कोरोन के पास हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। एक जीवित बचे यात्री अर्नुल्फो नोक्की विलानुएवा ने बताया कि लोग घबराकर एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे। वह लाइफ जैकेट लेने की कोशिश में गिर गए और उनकी पीठ झुलस गई। बाद में उन्होंने खिड़की से छलांग लगाकर जान बचाई। रेस्क्यू टीमों ने शुक्रवार को फेरी के जले हुए हिस्सों से कई और शव बरामद किए। तेज गर्मी और धुएं के कारण जहाज के अंदर तलाशी अभियान में मुश्किलें आईं। हादसे के बाद 54 लोग अब भी लापता हैं, जबकि 43 यात्रियों को बचा लिया गया है। फेरी में कुल 134 लोग सवार थे, जिनमें 117 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य थे। जहाज मनीला से रवाना हुआ था और कोरोन पहुंचने से करीब 7.4 किलोमीटर पहले आग की चपेट में आया। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। फिलीपींस में समुद्री हादसे पहले भी खराब रखरखाव और सुरक्षा नियमों के कमजोर पालन के कारण होते रहे हैं।

पाकिस्तान ने वीजा के बावजूद 92 सिखों को भारत जाने से रोका

उत्तराखंड स्थित श्री हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए भारत आ रहे 92 पाकिस्तानी सिख श्रद्धालुओं को शुक्रवार को फैसलाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारत जाने वाली अप्रत्यक्ष उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के अनुसार श्रद्धालु भारत जाने के लिए फैसलाबाद एयरपोर्ट पहुंचे थे लेकिन उन्हें गल्फ जाने वाली एयरलाइन की उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया। अधिकारियों ने उनसे पाकिस्तान सरकार की एनओसी और वापसी का टिकट मांगा। दोनों दस्तावेज देने के बाद ही आगे जाने की अनुमति देने की बात कही गई। श्रद्धालुओं ने दिल्ली की एक गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से खुद भारतीय वीजा हासिल किए थे।

दमन : थार-फॉर्च्यूनर के मालिकों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

दमन जिला कलेक्टर सौरभ मिश्रा ने अनोखी पहल करते हुए महिंद्रा थार और टोयोटा फॉर्च्यूनर के मालिकों को सड़क सुरक्षा की सार्वजनिक शपथ दिलाई है। अभियान को थार-फॉर्च्यूनर संकल्प यात्रा नाम दिया गया, जिसमें गाड़ी मालिकों को यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया गया।

उथले समुद्र में मिली चलने वाली शार्क की नई प्रजाति

समुद्र की उथली दुनिया में वैज्ञानिकों ने शार्क की एक ऐसी नई प्रजाति की पहचान की है, जो तैरने के साथ समुद्र की तलहटी पर चल भी सकती है। पापुआ न्यू गिनी के दक्षिण-पूर्वी तट के पास मिली हेमिसिलियम डजियोनाई नाम की यह शार्क अपने मजबूत पेक्टोरल और पेल्विक पंखों का इस्तेमाल पैरों की तरह करती है।

अमेरिका: अलास्का के ठंडे समुद्र में पलटी नाव पर दो दिन चिपका रहा 15 साल का किशोर; कैसे बची जान? भाई की मौत

अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का किशोर पलटी नाव के ऊपर करीब दो दिन तक जिंदगी के लिए संघर्ष करता रहा। उसके बड़े भाई और रिश्तेदार की मौत हो गई। आखिर इतनी ठंड में किशोर कैसे जिंदा बचा रहा? पढ़िए रिपोर्ट-

अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का एक लड़का करीब दो दिन तक पलटी हुई छोटी नाव के ऊपर चिपका रहा। बाद में मछली पकड़ने वाली एक नाव ने उसे बचा लिया। उसके साथ मछली पकड़ने गए बड़े भाई और एक रिश्तेदार की जान नहीं बच सकी।

रिश्तेदार पानी में कैसे गिरा?

किशोर ने बचाव दल के एक सदस्य को बताया कि वह और उसका रिश्तेदार कुछ समय तक पलटी नाव को पकड़े रहे। इसके बाद उसका रिश्तेदार पानी में फिसलकर गिर गया। बाद में किशोर के भाई और रिश्तेदार दोनों के शव बरामद कर लिए गए।

किशोर को कहां से बचाया गया?

उसे रूस के ज्यादा करीब स्थित सेंट लॉरेंस द्वीप के पास समुद्र से बचाया गया। यह अलास्का का एक दूरदराज द्वीप है। यह अमेरिका की मुख्य भूमि के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है।

इतनी ठंड में कैसे बचा रहा?

मछली पकड़ने वाली नाव द नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर के कप्तान एडम व्हाइट ने बताया कि किशोर अंधेरे में भी नाव से चिपका रहा। समुद्र के पानी का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस था। कप्तान ने उसकी हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत मजबूत बच्चा है। उन्होंने बताया कि किशोर के दांत ठंड से कांप रहे थे। उसने बताया कि उसका भाई अभी भी नाव के नीचे है। उसने यह भी बताया कि बचाव से पिछली रात उसका रिश्तेदार पानी में गिर गया था।

तीनों की तलाश कब शुरू हुई?

अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोमवार सुबह तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने रविवार रात तीनों के लापता होने की सूचना दी थी। तीनों शुक्रवार को सेंट लॉरेंस द्वीप के सावूंगा गांव से निकले थे। उन्हें रविवार सुबह वापस लौटना था।

गांव में मछली पकड़ना क्यों जरूरी है?

सावूंगा गांव में हैलिबट मछली पकड़ना जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। गांव में करीब 800 लोग रहते हैं। यहां रोजगार के मौके भी कम हैं। किशोर की मौसी कोलन वॉकर ने बताया कि लोग अक्सर पकड़ी गई मछलियां परिवार और पड़ोसियों के साथ बांटते हैं। उन्होंने कहा कि उनके समुदाय में लोग एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं। दुनिया बदल रही है, लेकिन वे आज भी पारंपरिक तरीके से जीवन जीते हैं।

किशोर के भाई कौन थे?

वॉकर ने बताया कि बचाए गए किशोर डेरेक पार्कर अघनांगा अक्सर अपने 35 साल के बड़े भाई सिडनी कुलोवियी के साथ मछली पकड़ने जाता था। अपने पिता की मौत के बाद किशोर अपने भाई को पिता जैसी शख्सियत मानता था। वॉकर ने बताया कि कुलोवियी व्यावसायिक मछली पकड़ने वाली नाव के कप्तान थे। वह गांव के लोगों की मदद करने वाले शांत और प्यार करने वाले व्यक्ति थे।

पलटी नाव कैसे मिली?

तटरक्षक बल के एक विमान ने सोमवार सुबह किशोर को देखा। बचाव दल ने उसके लिए जरूरी सामान पहुंचाया। इसके बाद नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर नाव से संपर्क किया गया। बताया गया कि नाव शनिवार रात समुद्र में काफी दूर पलट गई थी।

विश्लेषण: इतिहासकार और लेखक एंटोन जैगर ने बताया, एक दशक में अति-राजनीति ने समाज पर क्या असर डाला?

राजनीतिक बहस और विरोध बढ़े हैं, लेकिन उनका असर लंबे समय तक नहीं टिक रहा। इतिहासकार एंटोन जैगर के मुताबिक, अति-राजनीति और सोशल मीडिया ने राजनीति को सिर्फ शोर तक सीमित कर दिया है। दुनिया का कोई भी लोकतंत्र हो, राजनीतिक मोर्चे पर बहस न केवल बढ़ी है बल्कि काफी आक्रामक भी हो गई है। राजनीतिक दल हों या आम मतदाता हर छोटे-बड़े मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखते हैं। समस्याओं को सुलझाने के लिए बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन भी होते हैं। जब कोई मुद्दा उभरता है तो ऐसा लगता है कि तीखी राजनीतिक बहस इसे किसी न किसी अंजाम पर पहुंचा कर ही दम लेगी। लेकिन आमतौर पर ऐसा नहीं हो पाता है। पूरे शोरशराबे के बावजूद जमीनी स्तर पर बदलाव नजर नहीं आता। राजनीतिक इतिहासकार एंटोन जैगर का मानना है कि इसका सबसे बड़ा कारण पिछले एक दशक में अति-राजनीति का हावी होना है। इससे मौजूदा राजनीति सिर्फ एक पल का शोर बनकर रह गई है, जिसका कोई स्थायी परिणाम नहीं निकलता। एंटोन जैगर ने हाल ही में न्यूयॉर्क टाइम्स के द एज्रा क्लेन शो में विस्तार से बताया कि अति-राजनीति समाज को कैसे प्रभावित कर रही है। उनकी राय है कि राजनीतिक संस्कृति में एक अजीब विरोधाभास पैदा हो गया है। एक तरफ मतदान, रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक हिंसा के स्तर पर लोगों की सक्रियता बहुत बढ़ गई है। दूसरी तरफ राजनीतिक दलों, ट्रेड यूनियनों और नागरिक समाज संगठनों जैसी पारंपरिक संस्थाएं लगातार कमजोर या खत्म हो रही हैं।

एक मुद्दे पर ज्यादा समय टिके रहने का सब्र नहीं बचा

मौजूदा राजनीतिक विमर्श में अल्पकालिकता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। किसी मजबूत संस्थान या प्रतिनिधि तंत्र के अभाव में लोग कुछ हफ्तों तक किसी मुद्दे पर अत्यधिक रुचि दिखाते हैं। इस पर जोर-शोर से बहस होती हैं और फिर इसमें रुचि कम होते ही अगला मुद्दा गूंजने लगता है, जिससे किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाता।

संस्थाएं कमजोर होने से हल नहीं हो पातीं समस्याएं

जैगर के मुताबिक, 20वीं सदी के मध्य में जन-राजनीति का जो दौर था, उसमें राजनीति अत्यधिक सक्रिय होने के साथ-साथ गहरी संस्थागत भी थी। उस समय किसी राजनीतिक दल या संगठन से जुड़ना जीवनभर का हिस्सा होता था, जिससे एक मजबूत सामूहिक शक्ति पैदा होती थी। इसके विपरीत, आज राजनीतिक निष्ठा जैसी कोई चीज नाममात्र की ही बची है। सामूहिक शक्ति न होने से भी समस्याओं का कोई ठोस नतीजा नहीं मिल पाता है।

डिजिटल दौर भी अति-राजनीति का बड़ा कारण

स्मार्टफोन स्क्रीन और सोशल मीडिया एल्गोरिदम ने सूचनाओं को इतना तीव्र कर दिया है कि लोग कुछ हफ्तों के लिए किसी मुद्दे में पूरी तरह डूब जाते हैं। जैगर इसे एक राजनीतिक बाजार करार देते हैं, जहां लोग अपनी राय के शेयर खरीदते-बेचते हैं। कोई वैचारिक ढांचा मौजूद नहीं होने से आंदोलन बस एक हवा का झोंका बनकर रह जाते हैं। लोग प्रतिक्रिया स्वरूप केवल पोस्ट करना या लाइक करना जानते हैं। इससे वास्तविक प्रभाव नगण्य ही होता है।

अर्थ जगत छत्तीसगढ़ के हसदेव-अरण्य में तारा कोयला ब्लॉक की नीलामी पर विवाद, सीएमडीसी ने दी सफाई

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (CMDC) ने शनिवार को बताया कि हसदेव-अरण्य में तारा कोयला ब्लॉक की प्रतिस्पर्धी नीलामी पूरी हुई है। वास्तविक खनन सभी वैधानिक स्वीकृतियां मिलने के बाद ही शुरू हो पाएगा। यह ब्लॉक सीजी सिन एंड गैस एंड केमिकल्स लिमिटेड को मिला। कांग्रेस ने नीलामी को "पर्यावरण का विनाश" बताते हुए आलोचना की है। विपक्षी दल ने इसे अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड से जोड़ा है। CMDC ने स्पष्ट किया कि खनन शुरू करने से पहले सभी आवश्यक स्वीकृतियां लेनी होंगी। इनमें खनन योजना, पट्टा और पर्यावरण-वन मंजूरी शामिल हैं।

पेड़ नहीं काटे जाने का आश्वासन

निगम ने कहा कि स्वीकृतियां मिलने से पहले कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा। कोई वास्तविक खनन गतिविधि भी नहीं होगी। प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 11 दिसंबर, 2025 को अनुरोध किया था। इस अनुरोध पर तारा ब्लॉक को 15वें दौर की नीलामी में शामिल किया गया। राज्य सरकार ने इसे लेमरू हाथी गलियारे से बाहर बताया था। इसके बाद यह सफलतापूर्वक नीलाम हुआ।

पीएम किसान मानधन योजना से 24 लाख लाभार्थी जुड़े

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के 7 साल पूरे हो गए हैं। इसमें अब तक 24.89 लाख किसान जुड़ चुके हैं। इस योजना का लक्ष्य देश के 5 करोड़ छोटे और मझोले किसानों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्रदान करना है। इसमें किसान और सरकार के अंशदान से 60 वर्ष पूरे करने पर पेंशन का लाभ मिलता है।

आईएमएफ व वर्ल्ड बैंक के मुकाबले कितना कारगर एनडीबी

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर स्थित ब्रेटन वुड्स सम्मेलन से जन्मी दो वित्तीय संस्थाओं- वर्ल्ड बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)- ने दशकों तक वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों के बुनियादी ढांचे की फंडिंग पर एकछत्र राज किया। हालांकि, 21वीं सदी के दूसरे दशक में वैश्विक आर्थिक संतुलन तेजी से पश्चिम से पूर्व और ग्लोबल साउथ की ओर खिसकने लगा। इसी ऐतिहासिक बदलाव के साथ साल 2012 में भारत की नई दिल्ली में आयोजित चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने पहली बार विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए एक नए 'डेवलपमेंट बैंक' की संभावना पर औपचारिक चर्चा की थी। वह विचार आज न्यू डेवलपमेंट बैंक यानी एनडीबी के रूप में मूर्त रूप ले चुका है। स्थापना के 14 वर्षों बाद, जब ब्रिक्स समूह अपनी 20वीं वर्षगांठ (स्थापना 2006) के करीब पहुंच रहा है, तब यह सवाल बेहद प्रासंगिक हो जाता है कि नई दिल्ली में बोया गया यह विचार आज दुनिया में कितना ताकतवर बन चुका है, इसने विकासशील देशों की बुनियादी जरूरतों को कितना बदला है और क्या यह वास्तव में यह पश्चिम के बहुपक्षीय बैंकों का एक ठोस विकल्प बन पाया है।इसी ऐतिहासिक बदलाव के साथ साल 2012 में भारत की नई दिल्ली में आयोजित चौथे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने पहली बार विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए एक नए 'डेवलपमेंट बैंक' की संभावना पर औपचारिक चर्चा की थी। वह विचार आज न्यू डेवलपमेंट बैंक यानी एनडीबी के रूप में मूर्त रूप ले चुका है। स्थापना के 14 वर्षों बाद, जब ब्रिक्स समूह अपनी 20वीं वर्षगांठ (स्थापना 2006) के करीब पहुंच रहा है, तब यह सवाल बेहद कतवर बन चुका है, इसने विकासशील देशों की बुनियादी जरूरतों को कितना बदला है और क्या यह वास्तव में यह पश्चिम के बहुपक्षीय बैंकों का एक ठोस विकल्प बन पाया है।वर्ष 2015 में इस बैंक ने कानूनी संस्था के रूप में कार्य करना शुरू किया और इसका मुख्यालय चीन के शंघाई में स्थापित किया गया। भारत के दिग्गज बैंकर केवी कामथ को एनडीबी का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिन्होंने इसके शुरुआती संस्थागत ढांचे को आकार दिया। प्रासंगिक हो जाता है कि नई दिल्ली में बोया गया यह विचार आज दुनिया में कितना

एनडीबी का वित्तीय व ढांचा कैसा है?

- अधिकृत पूंजी (ऑथराइज्ड कैपिटल): बैंक की शुरुआती अधिकृत पूंजी 100 अरब डॉलर तय की गई।
- सदस्यता पूंजी (सब्सक्राइब्ड कैपिटल): इसकी शुरुआती चुकता व सब्सक्राइब की गई पूंजी 50 अरब डॉलर थी, जिसे पांचों संस्थापक सदस्यों में पूरी तरह से बराबर-बराबर (10 अरब डॉलर प्रत्येक) बांटा गया।
- समान मताधिकार: विश्व बैंक और आईएमएफ के विपरीत, जहां अमेरिका और यूरोपीय देशों के पास कोटा प्रणाली के जरिए एकतरफा वीटो पावर और प्रभुत्व है, एनडीबी में प्रत्येक संस्थापक सदस्य देश का समान वोटिंग शेयर (20-20 प्रतिशत) है और किसी भी एक देश के पास वीटो अधिकार नहीं है।
- वैश्विक विस्तार: वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि अपनी स्थापना से लेकर अब तक एनडीबी ने सदस्य देशों में स्वच्छ ऊर्जा, परिवहन, शहरी विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 42.9 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता और 139 से अधिक वृहद परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

एफएसएसएआई का बड़ा कदम

नीलगिरी ऑयल के धनिया पाउडर और एक्वाग्री के उत्पाद बाजार से हटाने का आदेश

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नियामक ने दो कंपनियों, निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज और एक्वाग्री प्रोसेसिंग, को अपने दो उत्पादों को तुरंत बाजार से वापस बुलाने का निर्देश दिया है। इन उत्पादों में उच्च कीटनाशक अवशेष और सुरक्षा संबंधी चिंताएं पाई गई हैं। एफएसएसएआई ने बीते शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी।एफएसएसएआई ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत इन फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को वापसी के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई प्रयोगशाला परीक्षण और मूल्यांकन के बाद की गई है। निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज के 'शालीमार्स शेफ- धनिया पाउडर' में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों से अधिक पाए गए। वहीं, एक्वाग्री प्रोसेसिंग के 'कैरागीनन' उत्पाद को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वापस लेने को कहा गया है।एफएसएसएआई के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा लिए गए 'कैरागीनन' के नमूने में कैडमियम की मात्रा असंतोषजनक पाई गई। यह उत्पाद निर्धारित विशिष्टताओं के अनुरूप नहीं था। खाद्य विश्लेषक ने दोनों नमूनों को "असुरक्षित" घोषित किया। दोबारा परीक्षण में भी परिणाम वही रहे। नियामक ने कहा कि इन उत्पादों का निर्माण एफएसएसएस अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।**किन उत्पादों को वापस बुलाया गया और क्यों?**

एफएसएसएआई ने निलगिरी ऑयल एंड एलाइड इंडस्ट्रीज को 'शालीमार्स शेफ - धनिया पाउडर' को तत्काल वापस बुलाने का आदेश दिया है। कंपनी के परिसर से लिए गए इस धनिया पाउडर के नियामक नमूने में कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसे असुरक्षित पाया गया। इसी तरह, एक्वाग्री प्रोसेसिंग को अपने 'कैरागीनन' उत्पाद को बाजार से हटाने का निर्देश मिला है। इस उत्पाद में कैडमियम की मात्रा अधिक पाई गई, जिससे यह असुरक्षित श्रेणी में आ गया।

एफएसएसएआई ने कैसे की जांच?

खाद्य नियामक ने इन उत्पादों के नियामक नमूने लिए थे। 'कैरागीनन' का नमूना FSSAI के दक्षिणी क्षेत्र द्वारा लिया गया था। 'शालीमार्स शेफ - धनिया पाउडर' का नमूना कंपनी के परिसर से लिया गया। दोनों नमूनों का प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया। प्रारंभिक परीक्षण में ही वे असुरक्षित पाए गए। इसके बाद दोबारा परीक्षण भी किया गया, जिसमें भी वही असंतोषजनक परिणाम सामने आए। इन परीक्षणों के आधार पर ही एफएसएसएआई ने वापसी के आदेश जारी किए।

क्या एफएसएसएआई की कार्रवाई तेज हुई है?

पिछले छह महीनों में एफएसएसएआई ने खाद्य कारोबार संचालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई तेज की है। नियामक का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना है। एफएसएसएआई अपनी इन कार्रवाइयों को सोशल मीडिया मंचों पर भी साझा कर रहा है। नियामक ने ऊर्जा पेय और मादक पेय बनाने वाली कंपनियों पर भी शिकंजा कसा है। कई पांच सितारा होटलों को भी नोटिस जारी किए गए हैं

भारत-चीन व्यापार का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के बीच भारत-चीन के व्यापारिक आंकड़ों पर नजर डालना अहम है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार बढ़कर 127.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया है लेकिन चीन के साथ भारत का भी व्यापार घाटा 99.19 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आइए इलेक्ट्रॉनिक्स, एपीआई और औद्योगिक कच्चे माल पर भारत की चीन पर निर्भरता के क्या मायने हैं।

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन जारी है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सात साल के लंबे अंतराल के बाद भारत दौरे पर पहुंचे हैं। शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी तय है। इस बहुप्रतीक्षित मुलाकात के बीच दोनों देशों के आर्थिक रिश्ते और व्यापारिक आंकड़ों पर सबकी नजर है। वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक चीन, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। हालांकि, दोनों देशों के बीच कारोबार में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 100 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

भारत और चीन के बीच कारोबार का ताजा गणित क्या है?

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके साथ ही कुल कारोबार 2024-25 के 118.39 अरब डॉलर से बढ़कर 127.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया।इस अवधि में भारत से चीन को होने वाले निर्यात में 36.62 प्रतिशत का उछाल देखा गया और यह 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 19.47 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल मर्चेंडाइज निर्यात में चीन की हिस्सेदारी भी 2024-25 के 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 4.4 प्रतिशत दर्ज की गई। दूसरी ओर, चीन से भारत का आयात भी 16 प्रतिशत बढ़कर 113.44 अरब डॉलर से 131.62 अरब डॉलर हो गया। भारत के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 17 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 15.7 प्रतिशत थी।

99 अरब डॉलर के पार क्यों पहुंचा व्यापार घाटा?

कारोबार में भारी बढ़ोतरी के बावजूद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती बढ़ता व्यापार घाटा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2024-25 में 85 अरब डॉलर था। ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो यह घाटा 2019-20 में 53.56 अरब डॉलर, 2020-21 में 48.64 अरब डॉलर, 2021-22 में 44 अरब डॉलर, 2022-23 में 73.3 अरब डॉलर और 2023-24 में 83.2 अरब डॉलर दर्ज किया गया था।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह घाटा मुख्य रूप से कच्चे माल, मध्यवर्ती वस्तुओं और कैपिटल गुड्स के बड़े पैमाने पर आयात के कारण है। इनमें ऑटो घटकों, इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स, मोबाइल असेंबली, मशीनरी और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) का आयात शामिल है, जिनका इस्तेमाल भारत में तैयार माल बनाने और फिर उन्हें दुनिया भर में निर्यात करने के लिए किया जाता है।

चीनी सामान पर भारतीय उद्योगों की निर्भरता कितनी गहरी है?

वर्ष 2025 में चीन से भारत आने वाले कुल आयात का 98.5 प्रतिशत हिस्सा औद्योगिक उत्पादों का रहा है, जबकि कृषि, ईंधन, रत्न एवं आभूषण की हिस्सेदारी मिलकर भी 1.5 प्रतिशत से कम है। भारत के कुल चीनी आयात का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा- जिसका मूल्य 82.6 अरब डॉलर है- चार प्रमुख क्षेत्रों में केंद्रित है:

- इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र: भारत अपने कुल इलेक्ट्रॉनिक्स आयात का 43 प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगवाता है।
- मशीनरी एवं कंप्यूटर: भारत के कुल मशीनरी और कंप्यूटर आयात में चीन का योगदान 40 प्रतिशत दर्ज किया गया है।
- ऑर्गेनिक केमिकल्स: इस श्रेणी में चीन की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत है।

थिंक टैंक जीटीआरआई के विश्लेषण के अनुसार, ये आयात केवल गैर-जरूरी सामान नहीं हैं, बल्कि ये भारत के विनिर्माण तंत्र के मुख्य इनपुट हैं। भारत उद्योग इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स, ईवी बैटरियों, सोलर मॉड्यूल, एपीआई और विशेषज्ञ रसायनों के लिए चीन से हो रही आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिन्हें बड़े पैमाने पर तुरंत बदलना कठिन है। नतीजतन, भारत द्वारा निर्यात बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद उसकी सप्लाई चेन चीन से गहराई से जुड़ी हुई है।

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में नए युग की शुरुआत

सेबी और आरबीआई ने कॉरपोरेट बॉन्ड के लिए डिमैट 2.0 पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इससे बॉन्ड की खरीद-बिक्री और निपटान की प्रक्रिया तेज और डिजिटल होगी। लेकिन टोकनयुक्त बॉन्ड से निवेशकों और कंपनियों को क्या बड़ा फायदा मिलेगा? पढ़िए रिपोर्टभारतीय पूंजी बाजार में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के दौरान कॉरपोरेट बॉन्ड के टोकनीकरण पर आधारित पायलट प्रोजेक्ट डिमैट 2.0 की सफल लॉन्चिंग की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा और सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय की मौजूदगी में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट पारंपरिक बॉन्ड बाजार की पूरी तस्वीर बदलने जा रहा है। अब तक कॉरपोरेट बॉन्ड जारी करने, खरीदने और उसके निपटान में 2 से 3 दिनों का लंबा वक्त लगता था और कई तरह के कागजी व मैन्युअल झंझट होते थे। लेकिन डीमैट 2.0 के आने से इस पूरी व्यवस्था को डिजिटल और बेहद चुस्त बना दिया गया है। यह एक नया मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसे कॉरपोरेट बॉन्ड जारी करने, रखने, ट्रेड करने और उनके निपटान के एक नए तरीके का परीक्षण करने के लिए विकसित किया गया है। अब तक बॉन्ड कागजों या पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में होते थे। डीमैट 2.0 के तहत बॉन्ड को डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी यानी एक सुरक्षित साझा डिजिटल बही-खाते पर एक डिजिटल टोकन के रूप में तैयार किया जाएगा। इस डिजिटल लेजर का मालिकाना हक डिपॉजिटरी के पास होगा। इस साझा लेजर पर बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारियां सभी अधिकृत संस्थानों को एक साथ और तुरंत दिखाई देंगी, जिससे किसी भी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश खत्म होगी।जारीकर्ता को बोली लगाने के दिन ही फंड प्राप्त होगा। अभी तक आमतौर पर बोली के बाद 2-3 दिन लगते थे।स्वचालन के कारण जारीकर्ता के लिए जारी करने और सर्विसिंग की लागत कम होगी। शामिल बाजार मध्यस्थों के लिए फाइल शेयरिंग, मिलान और सत्यापन का बोझ कम होगा

बिग बॉस 20: घरवालों के सामने सलमान खान ने क्यों की लॉर्ड बॉबी की तारीफ? इस हॉलीवुड एक्टर का भी दिया उदाहरण

Bigg Boss 20: रियलिटी शो बिग बॉस का कल शनिवार को पहला वीकएंड का वार एपिसोड प्रसारित हुआ। सलमान खान घर वालों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने बॉबी देओल के नाम का जिक्र किया। सलमान खान ने वीकएंड का वार एपिसोड में सभी घरवालों से हालचाल पूछा। पहले हफ्ते के अनुभव जाने और एक-दूसरे की बॉन्डिंग के बारे में सवाल किए। इस दौरान सलमान खान ने काजी तौकीर की खूब जमकर तारीफ की। उन्होंने काजी के संघर्ष के दिनों का जिक्र किया। साथ ही बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल का भी नाम लिया।

सलमान खान ने काजी की पीठ थपथपाई

सलमान खान ने काजी से बात करते हुए पूछा, 'एक बात बताओ, आपको लाइफ में सबकुछ इतनी जल्दी मिल गया। आप रॉकस्टार हो गए। अरिजीत के साथ आप एक शो में थे। उसके विनर बने। अरिजीत भी अब बहुत अच्छा कर रहे हैं और आपको ये मंच मिल गया। मगर, ये 20 साल में आपने क्या किया? लाइव शोज किए'? इस पर काजी ने कहा, 'काफी शो किए सर'। सलमान ने कहा, 'अब आपके गाने की भी तारीफ हो रही है। आपका ह्यूमर, आपकी परफॉर्मेंस सब चीज की तारीफ हो रही है'। इसके बाद सलमान ने काजी का उदाहरण देते हुए कहा, 'जब बुरा टाइम आता है तो मेहनत करो डटकर। आप देख रहे हो कि चीजें आईं और चली गईं, लेकिन तौकीर ने काम करना नहीं छोड़ा। यह जितनी आपकी जद्दोजहद रही है, लेकिन सबसे बड़ी मेहनत की है आपने मेंटली स्ट्रॉन्ग रहने की, जो कि लोग नहीं कर पाते। लोगों को काजी से सीखना चाहिए'।

दबंग खान ने बॉबी देओल की मेहनत को किया सलाम

इसके बाद सलमान खान ने खराब वक्त में सकारात्मक बने रहने और प्रयासरत रहने का संदेश दिया। उन्होंने बॉबी देओल और अमेरिकी एक्टर जॉन ट्रेवोल्टा का भी उदाहरण दिया। सलमान खान ने बॉबी देओल का उदाहरण देते हुए कहा, 'बॉबी इतने बड़े स्टार हैं, लेकिन बहुत मुश्किल दौर से गुजरे। मगर, उन्होंने कभी हार नहीं मानी। खराब वक्त सबका आता है, लेकिन उस वक्त में इंसान दस गुना ज्यादा मेहनत करता है। बुरे वक्त की एक अच्छी बात यह है कि वह जल्दी बीत भी जाता है'।

बॉबी देओल के लिए मसीहा बने थे सलमान खान

बता दें कि बॉबी देओल के करियर में एक समय ऐसा आया था, जब उन्हें फिल्मों में काम मिलना बंद हो गया था। वह लगभग 10 साल तक इस बुरे दौर से गुजरे। ऐसे में उन्होंने दिल्ली के नाइट क्लब में बतौर डीजे काम किया था।

- बॉबी देओल के इस मुश्किल वक्त सलमान खान मसीहा बनकर आए थे और इंडस्ट्री में उनकी वापसी कराई।
- साल 2018 में सलमान खान ने बॉबी को फिल्म 'रेस 3' का ऑफर दिया। वहीं, बॉबी को इसी दिन का इंतजार था।
- ऐसे में उन्होंने इस फिल्म में काम किया। इससे उनकी किस्मत थोड़ी बदल गई।

फिर तो 'आश्रम' सीरीज और 'एनिमल' जैसी फिल्मों ने उनके करियर को नई दिशा दी।

ब्रिक्स सम्मेलन: मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने गाया किशोर कुमार का यह गाना, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

PM Anwar Ibrahim Singing Kishore Kumar Song: राजनीतिक कार्यक्रमों में अक्सर गंभीर चर्चाएं और भाषण देखने को मिलते हैं, लेकिन दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स कार्यक्रम का माहौल उस वक्त खुशनुमा हो गया, जब मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने किशोर कुमार का मशहूर गाना गाया।

ब्रिक्स समिट के कार्यक्रम में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम किशोर कुमार का गाना गुनगुनाते नजर आए। उनका यह अंदाज देखकर वहां मौजूद लोग भी काफी खुश नजर आए। अब उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अनवर इब्राहिम भारत पहुंचे हैं। इसी दौरान नई दिल्ली में आयोजित एक डिनर कार्यक्रम में उन्होंने किशोर कुमार का लोकप्रिय गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गाया। यह गाना साल 1965 में आई फिल्म 'तीन देवियां' का है।

अनवर इब्राहिम ने लाइव पियानो की धुन के साथ इस गाने को गाया। उनका यह अंदाज वहां मौजूद लोगों को काफी पसंद आया। गाने के बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे, जबकि इसका संगीत एसडी बर्मन ने दिया था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

मलेशिया के प्रधानमंत्री ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया। उन्होंने वीडियो के साथ गाना गाने की अनुमति मांगते हुए एक मजेदार कैप्शन भी लिखा। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स उनकी गायकी की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा कि उन्होंने बहुत अच्छा गाया और उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री ने भारत में अच्छा समय बिताया होगा। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि उन्हें नहीं पता था कि अनवर इब्राहिम इतनी अच्छी आवाज में गा सकते हैं।

पहले भी दिखा चुके हैं भारतीय गानों के लिए प्यार

यह पहली बार नहीं है जब अनवर इब्राहिम ने भारतीय संगीत के प्रति अपना प्यार जाहिर किया हो। वह पहले भी कई मौकों पर भारतीय फिल्मों और गानों की तारीफ कर चुके हैं। भारत की पिछली यात्रा के दौरान भी उन्होंने किशोर कुमार का यही गाना एक मीडिया बातचीत के दौरान गाया था।

इसके अलावा उन्होंने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में मुकेश का मशहूर गाना 'दोस्त दोस्त ना रहा' भी गाया था। भारतीय सिनेमा और संगीत के लिए उनका यह प्यार अक्सर चर्चा में रहता है।

ब्रिक्स समिट 2026 के बारे में

अनवर इब्राहिम की भारत यात्रा के दौरान ब्रिक्स से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मलेशिया इस बार ब्रिक्स के पार्टनर देश के तौर पर शामिल हुआ है। सम्मेलन में वैश्विक मुद्दों के साथ आर्थिक संबंधों और व्यापार को लेकर भी बातचीत हुई। भारत और मलेशिया के बीच डिजिटल टेक्नोलॉजी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता का जिक्र करते हुए बताया कि उनके देश के कई लोगों ने उन्हें मोदी के लिए शुभकामनाएं देने को कहा था।

अनीत पड्डा: 'हुंकार' की रिलीज से पहले

अभिनेत्री ने शेयर की नई तस्वीरें नए लुक पर यूजर्स ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

Aneet Padda: वेब सीरीज 'हुंकार' की चर्चा के बीच अनीत पड्डा ने अपनी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। आइए जानते हैं उनकी तस्वीरों में क्या खास है? अभिनेत्री अनीत पड्डा अपनी अपकमिंग सीरीज 'हुंकार' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी हुआ है। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री काफी खूबसूरत लग रही हैं।

अनीत पड्डा की पोस्ट में क्या है?

- अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने वेस्टर्न आउटफिट पहना है और अपने बाल खोले हुए हैं। उन्होंने ब्लैक जूती से अपने लुक को पूरा किया है। अभिनेत्री ने हलकी ज्वेलरी पहनी है। यूजर्स को पसंद आई अनीत पड्डा की तस्वीरअनीत पड्डा ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में गुलाब के फूल वाला इमोजी बनाया है।
- अभिनेत्री की तस्वीरों पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं।
- एक यूजर ने उनके आउटफिट की तारीफ की है।
- एक और यूजर ने कमेंट में लिखा 'हे भगवान बहुत खूबसूरत।'
- एक और यूजर ने उन्हें बार्बी डॉल कहा है।
- एक और यूजर ने लिखा 'मेरी गुड़िया। क्या मैं तुम्हें अपने जेब में रख सकता हूं?'
- कब रिलीज होगी सीरीज?अनीत पड्डा की नई वेब सीरीज 'हुंकार' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।
- इसमें वह बापजी के खिलाफ आवाज उठाती हैं, जो बहुत प्रभावशाली है।
- सीरीज में उनके साथ फातिमा सना शेख हैं, जो केस की जांच करती हैं।
- इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।
- 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

सैफ अली खान: क्यों फ्लॉप हुई थी अक्षय-सैफ और करीना स्टारर 'टशन'? 18 साल बाद अभिनेता ने बताया कहां रह गई थी कमी

Saif Ali Khan On Tashan: अभिनेता सैफ अली खान और अक्षय कुमार की जोड़ी वाली 'टशन' को रिलीज हुए करीब 18 साल हो चुके हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संतोषजनक प्रदर्शन नहीं कर सकी। इस पर सैफ ने अपनी राय रखी है। जानें क्या बोले सैफ? सैफ अली खान और अक्षय कुमार की जोड़ी वाली 'टशन' को रिलीज हुए करीब 18 साल हो चुके हैं। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन सैफ के लिए वह सिर्फ एक नाकाम फिल्म नहीं है। अब अक्षय के साथ 'हैवान' में दोबारा काम कर रहे सैफ ने 'टशन' के न चलने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फिल्म को लेकर किसी तरह की कड़वाहट नहीं जताई, लेकिन यह जरूर माना कि कहानी के दूसरे हिस्से और अंत में कुछ चीजें गड़बड़ा गई थीं।

हमने ईमानदारी से कोशिश की थी'

अमर उजाला से बातचीत में सैफ से पूछा गया कि क्या 'टशन' का फ्लॉप होना आज भी उन्हें बुरा लगता है। उन्होंने कहा, 'ऑडियंस को ये फिल्म पसंद नहीं आई तो बुरा लगता है...हमने ईमानदारी से कोशिश की थी। लेकिन एक समय के बाद जब पीछे देखते हैं तो एहसास होता है कि ठीक है..कुछ फिल्में चलती हैं, कुछ नहीं चलतीं। एक कोशिश होती है।'

कहानी में कुछ गड़बड़ हो गई थी'

सैफ फिल्म की कमियों के साथ उसकी अच्छी बातों को भी याद करते हैं। वह कहते हैं, 'फिल्म के गाने अच्छे थे, उसे बड़े स्तर पर तैयार किया गया था। लेकिन शायद फिल्म के दूसरे हिस्से में, खासकर क्लाइमैक्स के आस-पास कहानी में कुछ गड़बड़ हो गई थी। जाहिर है जब इतनी मेहनत होती है तो बुरा तो लगता है। इरादा सबका अच्छा था, कभी-कभी हो जाता है। कोई बुरी भावना नहीं है।'

2008 में रिलीज हुई थी 'टशन'

विजय कृष्ण आचार्य के निर्देशन में बनी 'टशन' 25 अप्रैल 2008 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में सैफ ने जिमी क्लिफ, अक्षय ने बच्चन पांडे, करीना कपूर ने पूजा और अनिल कपूर ने भैयाजी का किरदार निभाया था। फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन बिलो एवरेज था।

आलिया भट्ट: पार्ले-जी के साथ फ्री आई थी बचपन में बहन शाहीन इस तरह करती थीं प्रैंक

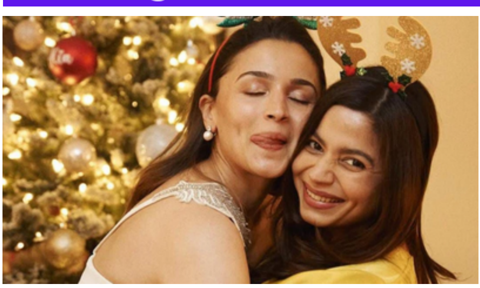

Don't Be Shy Movie: आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म 'डोंट बी शाई' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस दौरान दोनों बहनों से जेन जी के कई पॉपुलर स्लैंग्स के बारे में सवाल किए गए। जानिए इस बीच क्या कुछ रहा खास।

श्रीति मुखर्जी की अपकमिंग फिल्म 'डोंट बी शाई' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह यंग-एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट के प्रोडक्शन हाउस 'इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनी है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान आलिया और शाहीन ने काफी मजेदार सवालों के जवाब दिए।

ऐसे रेजबेट करती थीं शाहीन

दरअसल, दोनों से 'रेजबेट' का मतलब पूछा गया था। इसका जवाब देने के लिए आलिया ने अपने बचपन का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि शाहीन बचपन में उन्हें चिढ़ाने के लिए अक्सर कहती थीं कि वह उनके माता-पिता की असली बेटी नहीं हैं।

आलिया ने मजाकिया अंदाज में बताया, 'रेजबेट वही है जो शाहीन बचपन में मेरे साथ करती थी। वह कहती थी, 'आलिया पार्ले-जी के साथ फ्री आई थी' और वह हमारे माता-पिता की असली बच्ची नहीं है।' आलिया की यह बात सुनकर वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े।

14 साल बाद नए चेहरों को लॉन्च कर रहीं आलिया

इस दौरान आलिया ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत को भी याद किया। उन्होंने करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से करीब 14 साल पहले बॉलीवुड में कदम रखा था। अब 33 साल की उम्र में आलिया अपनी फिल्म 'डोंट बी शाई' के जरिए चार नए कलाकारों को इंडस्ट्री में मौका दे रही हैं।

इस फिल्म में आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म जेन जी स्टूडेंट्स की कहानी पर आधारित है और 26 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

आज का राशिफल 13 सितंबर

सिंह और कन्या राशि वालों की चमकेगी किस्मत, रुका धन मिलेगा और काम में मिलेगी सफलता

13 सितंबर 2026 का दिन सभी राशियों के लिए कुछ खास बदलाव लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति से मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए करियर, धन, परिवार और सेहत के मामले में क्या संकेत मिल रहे हैं, जानिए आज का राशिफल।

Aaj Ka Rashifal: 13 सितंबर 2026, रविवार का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज किसी को करियर और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं, तो किसी को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसला लेने की जरूरत होगी। पारिवारिक जीवन, रिश्तों और सेहत के लिहाज से भी दिन कुछ खास संकेत दे रहा है। मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि समेत सभी राशियों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा, धन का आगमन होगा या खर्च बढ़ेंगे, नौकरी-व्यापार में क्या बदलाव आएगा और किन मामलों में सावधानी बरतनी होगी, जानिए 13 सितंबर 2026 का विस्तृत राशिफल।

मेष

आज व्यापार में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। शुरुआत में परिस्थितियां कुछ नकारात्मक लग सकती हैं, पर अंततः परिणाम सुखद रहेंगे। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में अच्छे समाचार मिल सकते हैं। व्यापार में भी स्थिति मजबूत बनी रहेगी और मेहनत का उचित फल मिलने की संभावना है।

वृषभ

आज आपके व्यक्तित्व में प्रभाव और आत्मविश्वास साफ दिखाई देगा। राजनीतिक और सरकारी मामलों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं। धन के आगमन में वृद्धि होगी और परिवार में भी विस्तार या किसी शुभ समाचार के संकेत हैं। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान और व्यापार, चारों क्षेत्रों में दिन काफी शानदार रहने वाला है।

मिथुन

आज आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और समाज में आपकी प्रशंसा होगी। आपका प्रभाव और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा जिन चीजों की आपको आवश्यकता होगी, उनकी उपलब्धता भी आसानी से हो जाएगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम रह सकता है, लेकिन कुल मिलाकर स्थिति अच्छी रहेगी। प्रेम और संतान का भरपूर साथ मिलेगा और व्यापार में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

कर्क

आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है और यदि इन्हें नियंत्रित नहीं किया गया तो कर्ज जैसी स्थिति भी बन सकती है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में सुखद परिस्थितियां रहेंगी। व्यापार भी अच्छा चलेगा, इसलिए आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी होगा।

सिंह

आज आर्थिक रूप से दिन बेहद शानदार रह सकता है। धन का आगमन बढ़ेगा और कमाई के नए-नए रास्ते खुलेंगे। परिवार की ओर से भी कोई शुभ समाचार मिल सकता है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। यात्रा का योग भी बन रहा है। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार, सभी मामलों में दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा।

कन्या

आज कई मोर्चों पर सफलता आपके कदम चूम सकती है। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में विजय मिलने की संभावना है और व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। पिता का सहयोग और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार महसूस करेंगे। प्रेम, संतान और व्यापार से जुड़े मामलों में परिस्थितियां बेहद अनुकूल रहेंगी और दिन आपके लिए विशेष रूप से सुखद साबित हो सकता है।

तुला

आज भाग्य पूरी तरह आपका साथ देता नजर आ रहा है। यात्रा का अवसर मिल सकता है और यह यात्रा आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आएगी। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं। धार्मिक यात्रा या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। मन को आध्यात्मिक शांति मिलेगी और दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा।

वृश्चिक

आज आपको थोड़ा संभलकर चलने की आवश्यकता है। चोट-चपेट लगने या अचानक किसी परेशानी में पड़ने की आशंका है, इसलिए जल्दबाजी से बचें। परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं और स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामले लगभग ठीक रहेंगे और व्यापार में भी स्थिति सामान्य बनी रहेगी। सावधानी को आज अपनी प्राथमिकता बनाएं।

धनु

आज रिश्तों के लिहाज से बेहद खूबसूरत दिन रह सकता है। जीवनसाथी का भरपूर सानिध्य मिलेगा और प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात भी संभव है। प्रेम संबंध विवाह की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। नौकरी और कामकाज से जुड़े मामलों में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार तीनों ही क्षेत्रों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी।

मकर

आज आप अपने विरोधियों पर प्रभाव बनाए रखने में सफल रहेंगे। खास बात यह है कि जो लोग कभी आपके विरोध में थे, वे भी आपके प्रति मित्रवत व्यवहार कर सकते हैं। गूढ़ या आध्यात्मिक ज्ञान की ओर रुचि बढ़ेगी और बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है, लेकिन प्रेम, संतान और व्यापार के मामले में दिन बेहद अच्छा रहेगा।

कुंभ

आज विद्यार्थियों के लिए समय विशेष रूप से अनुकूल है। लेखन, कविता, कला और फिल्म निर्माण जैसे रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में सुख मिलेगा तथा व्यापार भी अच्छा चलेगा। हालांकि भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

मीन

आज जमीन, मकान या वाहन खरीदने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम उठ सकता है। घर में उत्सव, शुभ संस्कार या किसी मांगलिक आयोजन के कारण वातावरण खुशियों से भर सकता है। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम, संतान और व्यापार तीनों ही क्षेत्रों में परिस्थितियां बहुत अच्छी रहेंगी और दिन पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिहाज से खास रह सकता है।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 13 सितंबर: तुला और कुंभ राशि वालों के रिश्ते होंगे मजबूत, पार्टनर से बढ़ेगा प्यार

13 सितंबर 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। किसी को प्यार में खुशखबरी मिलेगी, तो किसी के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी। जानिए सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल।

Love Prediction Today: 13 सितंबर 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम संबंधों, पार्टनर के साथ तालमेल और भावनाओं पर दिखाई दे सकता है। कुछ लोगों के रिश्ते में प्यार और भरोसा बढ़ेगा, वहीं कुछ कपल्स को छोटी-छोटी बातों को लेकर मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग लंबे समय से किसी को पसंद करते हैं, उनके लिए भी आज अपनी भावनाएं जाहिर करने का मौका बन सकता है। वहीं शादीशुदा लोगों के लिए पार्टनर के साथ समय बिताना रिश्ते में मिठास बढ़ा सकता है। अगर आप सिंगल हैं तो किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या बातचीत की शुरुआत हो सकती है। मेष से मीन तक जानिए आज सभी 12 राशियों के प्रेम जीवन में क्या बदलाव आएंगे और किस राशि के लिए आज का दिन रहेगा सबसे रोमांटिक।

साप्ताहिक राशिफल (7 से 13 सितंबर): मेष-सिंह के लिए शुभ, तुला की बढ़ेगी भागदौड़, पढ़ें 12 राशियों का हाल

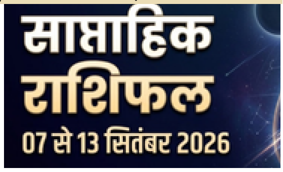

सितंबर का दूसरा सप्ताह धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं 07 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

सितंबर का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 13 सितंबर 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस दौरान 7 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, हां उसे मजबूत स्थिति में माना जाता है। इससे बुद्धि, तर्क, व्यापार, शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। वहीं 11 सितंबर को अमावस्या का प्रभाव भी रहेगा, जिससे कई राशियों के लिए नई शुरुआत और योजनाओं में बदलाव के योग बनेंगे। इस सप्ताह कुछ लोगों को आर्थिक और पेशेवर मामलों में लाभ मिल सकता है, जबकि कुछ राशियों को जल्दबाजी और अनावश्यक खर्च से बचना होगा। आइए जानते हैं 7 से 13 सितंबर 2026 तक का साप्ताहिक राशिफल।

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह भी बीते हफ्ते की तरह अत्यंत ही शुभ, लाभप्रद और प्रगतिदायक कहा जाएगा। इस सप्ताह किस्मत के सितारे आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे, जिसके कारण आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग आपके कामकाज से प्रसन्न रहेगा और सहकर्मी आपका पूरा सहयोग और समर्थन करेंगे। सप्ताह के मध्य में आपको किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। इस दौरान आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। युवाओं का अधिकांश समय मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। यदि आप उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो उसकी प्राप्ति में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

विद्यार्थी वर्ग अध्ययन में एकाग्रता महसूस करेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहेगा। इस दौरान कारोबारी मामलों में अनुकूलता रहेगी। बाजार में आई तेजी का लाभ उठाने में आप सफल रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा वर्ग की आय के नये स्रोत बनेंगे। प्रेम प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां और आपसी विश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन स्फटिक के श्रीयंत्र की पूजा और श्री महालक्ष्मी अष्टकं का पाठ करें।

आज का अंक ज्योतिष 13 सितंबर: मूलांक 1 और 3 वालों की चमकेगी किस्मत, नौकरी में तरक्की के साथ मिलेगा धन लाभ

13 सितंबर 2026 का दिन मूलांक के हिसाब से कुछ लोगों के लिए खास रह सकता है। अंक ज्योतिष के अनुसार आज किन मूलांक वालों को धन, करियर और रिश्तों में लाभ मिलेगा और किसे सावधानी बरतनी होगी, जानिए आज का अंक ज्योतिष।

Numerology Prediction Today: 13 सितंबर 2026 का दिन अंक ज्योतिष के नजरिए से कई मूलांक वालों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज अंकों का प्रभाव आपके काम, आर्थिक स्थिति, रिश्तों और निजी जीवन पर दिखाई दे सकता है। कुछ मूलांक वालों के लिए नए अवसर बनेंगे, जबकि कुछ लोगों को फैसले लेते समय सावधानी बरतनी होगी। अगर आप जानना चाहते हैं कि आज आपका दिन कैसा रहेगा, धन लाभ के क्या योग हैं और किन मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है, तो जानिए 1 से 9 तक सभी मूलांक वालों का आज का अंक ज्योतिष।

सूर्य-केतु युति 2026: 17 सितंबर तक इन राशि वालों का समय रहेगा गोल्डन, करियर-धन में मिलेगा बड़ा लाभ

Surya Ketu Yuti 2026: 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है, जिससे कुछ राशियों को विशेष लाभ संभव है। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

Surya Ketu Yuti 2026: ज्योतिषियों के अनुसार, सूर्य अभी अपनी राशि सिंह में गोचर कर रहे हैं और यहां उनकी युति केतु के साथ बन रही है। सूर्य-केतु की यह युति कुछ राशि वालों के लिए विशेष लाभकारी साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि, 17 सितंबर 2026 को सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। तब तक सूर्य-केतु की यह युति प्रभावी रहने वाली है। ऐसे में तबतक कुछ राशियों का समय बेहद कल्याणकारी रह सकता है। इस दौरान जातकों को करियर, नौकरी, व्यापार और निवेश से जुड़े मामलों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही कई अटके कामों में गति आने और नए अवसर मिलने के भी योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां इस दौरान लकी रहने वाली हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को इस दौरान धन लाभ हो सकता है। करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। यदि आप किसी काम को लेकर लंबे समय से प्रयास कर रहे थे तो उसमें सफलता मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में भी सकारात्मक अवसर सामने आ सकते हैं। आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती और दोस्तों के साथ बित सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है। पैतृक संपत्ति से आपको अच्छा खासा धन अर्जित करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। करियर के मोर्चे पर नई जिम्मेदारी मिलने के भी योग बन रहे हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में ज्यादा लगेगा। इस दौरान आपके कई काम मनचाहे तरीके से पूरे हो सकते हैं। घर में लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और क्षमता की सराहना हो सकती है। ईमानदारी आपके रिश्ते को मजबूत बनाएगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी।

महिला एशिया कप में भारत का है दबदबा: आठवें खिताब से एक कदम दूर, श्रीलंका से सामना; प्लेइंग-11 में होगा बदलाव?

महिला एशिया कप के फाइनल में भारत का सामना आज श्रीलंका से होगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। भारतीय टीम 2024 में श्रीलंका से मिली हार का बदला चुकता करने के इरादे से उतरेगी। सात बार की चैंपियन भारतीय टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ रविवार को महिला टी20 एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को हराकर आठवीं बार खिताब जीतने पर लगी होंगी। इसके लिए शेफाली वर्मा के साथ दीप्ति शर्मा पर काफी दारोमदार रहेगा। दो अर्धशतक समेत 168 रन बना चुकी शेफाली भारत की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित हुई हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन उन्होंने बनाए हैं। धीमी और स्पिनरों की मददगार दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर भी उन्होंने सहज बल्लेबाजी की है।

महिला एशिया कप में भारत का दबदबा

भारतीय महिला टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है। भारतीय टीम वनडे हो या टी20 इस टूर्नामेंट के हर प्रारूप में हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। भारत ने सर्वाधिक सात बार खिताब अपने नाम किया है और अब वह अपने आठवें खिताब से एक कदम दूर है। भारत ने 2004, 2005, 2006, 2008 में वनडे प्रारूप और 2012, 2016 और 2022 में टी20 प्रारूप में एशिया कप अपने नाम किया था। उसे 2018 और 2024 में फाइनल में हार मिली थी।

मंधाना-शेफाली ने दिखाया है दम

स्मृति मंधाना (154) ने एक शानदार शतक लगाया, लेकिन दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकीं। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। शेफाली को अपने चिर परिचित स्ट्रोक्स खेलने में भी परेशानी नहीं आई, जबकि दूसरे बल्लेबाज जूझते नजर आए हैं। श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू के साथ सर्वाधिक 11 विकेट ले चुकीं दीप्ति ने गेंदबाजी के अलावा बल्ले से भी दम दिखाया है। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में छह गेंद में 13 रन बनाकर उन्होंने भारत को 150 रन के पास पहुंचाया। दीप्ति के साथ श्री चरणी और प्रेमा रावत ने भी उम्दा स्पिन गेंदबाजी की है और इन तीनों ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा है।

अब तक अजेय हैं दोनों टीमें

दोनों टीमें फाइनल तक के सफर में अपराजेय रही हैं और पिछली बार 2024 में भारत को श्रीलंका ने ही फाइनल में आठ विकेट से हराया था। अटापट्टू की टीम ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और पाकिस्तान के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए सेमीफाइनल में जीत दर्ज की। पहले दो ओवर में पांच रन पर दो विकेट और सातवें ओवर में 33 रन पर चार विकेट निकल जाने के बावजूद श्रीलंका ने 131 रन का लक्ष्य हासिल किया।

हर्षिता समरविक्रमा ने सर्वाधिक 36 रन बनाए. जबकि कविषा दिलहारी ने 33 रन का योगदान दिया। नीलाक्षिका सिल्वा और कौशिनी नुथ्यांगना ने फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई। दो साल पहले दाम्बुला में हर्षिता और अटापट्टू ने मिलकर भारत को फाइनल में जीत दर्ज करने से रोका था। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर लक्ष्य हासिल किया था। उस टीम के अधिकांश खिलाड़ी एक बार फिर फाइनल में होंगे और हरमनप्रीत कौर की टीम उन गलतियों को दोहराने से बचना चाहेगी।

क्या है भारतीय टीम की कमजोरी

भारतीय बल्लेबाजी को मध्यक्रम की नाकामी और लचर क्षेत्ररक्षण की कमजोरियों से उबरना होगा। शेफाली के फॉर्म और मंधाना के शतक को छोड़ दिया जाए तो भारत के सभी बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में बदलने में नाकाम रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत ने चार कैच छोड़े और दो प्रतिका रावल के हाथ से छूटे। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ भी प्रतिका ने दो कैच टपकाए थे। थाईलैंड के खिलाफ पहले मैच में भी भारत ने दो कैच छोड़े थे यानी अब तक चार मैचों में नौ कैच छूट चुके हैं।

प्लेइंग-11 में बदलाव की कितनी संभावना?

भारत ने अब तक टूर्नामेंट में एक ही प्लेइंग-11 टीम उतारी है फाइनल में ही कोई बदलाव की उम्मीद नजर नहीं आ रही। दूसरी ओर, श्रीलंका ने अपने 17 खिलाड़ियों में से 14 का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में, उन्होंने हसिनी परेरा और मिताली अयोध्या के लिए विश्मी गुनारत्ने और चेतना विमुक्ति को बाहर रखा, जो शायद उनकी सबसे अच्छी प्लेइंग-11 हो सकती है।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11:

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, क्रांति गौड़, श्री चरणी, नंदिनी शर्मा।

श्रीलंका: इमेशा दुलानी, चामरी अट्टापट्टू (कप्तान), संजन काविंदी, हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविषा दिलहारी, नीलाक्षिका सिल्वा, कौशिनी नुथ्यांगना, सुगंदिका कुमारी, चामुदी प्राबोदा, मिताली अयोध्या।

आइए जानते हैं इस मैच से जुड़ी लाइव स्ट्रीमिंग के बारे में सभी जानकारी...

- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल कब खेला जाएगा?
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल कहां खेला जाएगा?
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल दुबई के दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल कितने बजे शुरू होगा?
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा। टॉस इससे आधा घंटा पहले यानी शाम 7:30 बजे होगा।
- भारत और श्रीलंका के बीच महिला एशिया कप का फाइनल कहां देख सकेंगे?
- महिला एशिया कप के प्रसारण अधिकार सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास है। यह मुकाबला सोनी स्पोर्ट्स के चैनलों पर देखा जा सकेगा।

एशियाई खेल: एशियाड में खेलने पर क्या बोले कप्तान श्रेयस अय्यर? शीर्ष खिलाड़ियों से बातचीत के लिए उत्साहित

भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर इस महीने होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। श्रेयस एशियाड में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान के खिलाफ होने वाले मुकाबले को ऐतिहासिक बताया है। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर आइची-नागोया में एशियाई खेलों के दौरान देश के शीर्ष खिलाड़ियों से बातचीत करने को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह बहु-खेल प्रतियोगिता उनकी मानसिकता को समझने और उनका उत्साह बढ़ाने का मौका देगी। भारत 28 सितंबर को अपने एशियाई खेल अभियान की शुरुआत करने से पहले जापान के खिलाफ एक ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। श्रेयस अन्य खेलों के खिलाड़ियों के साथ अनुभव साझा करने को लेकर उत्सुक हैं।

जापान के खिलाफ मुकाबले को बताया ऐतिहासिक

श्रेयस ने कहा, निश्चित रूप से यह मेरे लिए और पूरी टीम के लिए उत्साहजनक समय है क्योंकि यह मेरे लिए पहली बार होगा और कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहले भी एशियाई खेलों में हिस्सा ले चुके हैं। इसलिए, हां, यह रोमांचक समय है। हम अपना पहला मैच जापान के खिलाफ खेलने जा रहे हैं। इसलिए यह ऐतिहासिक मुकाबला होगा। वहां मौजूद हॉकी खिलाड़ियों और अन्य ओलंपिक खिलाड़ियों तथा एथलीट के साथ पहचान बढ़ाना और बातचीत करना निश्चित रूप से शानदार अनुभव होगा।

जीत का जताया भरोसा

श्रेयस ने कहा कि वह खिलाड़ियों से बातचीत करने और यह समझने के लिए उत्सुक हैं कि शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए उन्हें क्या प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, मैं वहां जाने, उनसे बातचीत करने और उनकी मानसिकता जानने का बेसब्री से इंतजार करूंगा। शायद किसी एक मुकाबले को देखने जाऊंगा और उनका उत्साह भी बढ़ाऊंगा। हम एक पूरे राष्ट्र के रूप में जा रहे हैं और निश्चित रूप से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम विजयी होकर वापस लौटें।

श्रेयस बहुत आगे की नहीं सोच रहे हैं और चाहते हैं कि उनकी टीम तत्काल चुनौती पर ध्यान केंद्रित करे। एशियाई खेलों से पहले अफगानिस्तान उनकी पहली प्रतिद्वंद्वी टीम है। उन्होंने कहा, हम पहले मैच के बारे में सोच रहे हैं। हम जानते हैं कि अफगानिस्तान एक अच्छी टीम है और पिछले कुछ दिनों से हमारी तैयारी भी अच्छी रही है। एशियाई खेलों से पहले हमें एक बेहद मजबूत टीम के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिला है। इसलिए हम एक बेहतरीन मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं। हां, उम्मीद है कि हम अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करेंगे।

क्रिकेट के 3 अनसुने किस्से: जब सर विवियन ने बॉल का वजन पूछा गांगुली ने वॉ को तड़पाया मियांदाद की निकली हेकड़ी

क्रिकेट में मुकाबला सिर्फ बल्ले और गेंद का नहीं होता, मैदान पर खिलाड़ियों के बीच जुबानी जंग भी खूब देखने को मिलती है। कई बार स्लेजिंग का जवाब ऐसा मिलता है कि सामने वाला खिलाड़ी निरुत्तर हो जाता है। विव रिचर्ड्स, सौरव गांगुली और जावेद मियांदाद से जुड़े तीन ऐसे ही मजेदार किस्से क्रिकेट प्रेमियों को खूब गुदगुदाते हैं। क्रिकेट के मैदान पर चौके-छक्कों और विकेटों का रोमांच तो सभी देखते हैं, लेकिन खेल के दौरान खिलाड़ियों के बीच होने वाली नोकझोंक भी कम दिलचस्प नहीं होती। क्रिकेट की भाषा में इसे 'स्लेजिंग' कहा जाता है। अक्सर गेंदबाज बल्लेबाज का ध्यान भटकाने के लिए कुछ कहता है, लेकिन कई बार मामला उल्टा पड़ जाता है और जवाब ऐसा मिलता है कि स्लेजिंग करने वाले के पास कोई जवाब नहीं होता है। क्रिकेट इतिहास में ऐसे कई किस्से हैं, जो मुकाबले से ज्यादा खिलाड़ियों के मजेदार जवाबों के लिए याद किए जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही तीन किस्से, जिनमें मैदान पर हुई जुबानी जंग ने खूब सुर्खियां बटोरीं। सर विवियन रिचर्ड्स का खौफ ऐसा था कि अच्छे-अच्छे गेंदबाज उनके सामने आने से कतराते थे। एक इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान ग्लेमोर्गन के तेज गेंदबाज ग्रेग थॉमस ने रिचर्ड्स की टांग खींचने की कोशिश की। रिचर्ड्स क्रीज पर आए और शुरुआती कुछ गेंदों पर बीट हुए। इसके बाद थॉमस ने कहा, 'विव, यह लाल रंग की गोल चीज है

रिचर्ड्स ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन अगली ही गेंद पर उन्होंने ऐसा गगनचुंबी छक्का लगाया कि गेंद स्टेडियम के बाहर नदी में जा गिरी। इसके बाद रिचर्ड्स ने थॉमस की तरफ देखा, मुस्कुराए और कहा, 'गेंद का वजन और रंग तो तुम्हें पता ही है, अब जाओ और उसे बाउंड्री के बाहर से ढूंढकर लाओ।' थॉमस के लिए यह जवाब सुनना किसी करारे पलटवार से कम नहीं था।

2001 की भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज क्रिकेट इतिहास की सबसे महान सीरीज में से एक मानी जाती है। उस समय ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ अपनी 'माइंड गेम्स' और स्लेजिंग के लिए मशहूर थे। भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसका जवाब अपने अंदाज में देने का फैसला किया। विशाखापत्तनम में टॉस का समय सुबह 8:30 बजे था। स्टीव वॉ पूरी तरह तैयार होकर ब्लेजर पहनकर पिच पर पहुंच गए, लेकिन गांगुली वहां नहीं थे। स्टीव वॉ धूप में खड़े होकर इंतजार करते रहे।

गांगुली काफी देर बाद आराम से अपना ब्लेजर ढूंढते हुए पहुंचे। इस तरह उन्होंने स्टीव वॉ को इंतजार कराया और उन्हें धूप में खड़ा रहना पड़ा। गांगुली ने बाद में हंसते हुए कबूल किया था कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के घमंड को तोड़ने और स्टीव वॉ को सबक सिखाने के लिए ऐसा कई बार किया था।

साल 1991 का एडिलेड टेस्ट। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर इयान हीली और महान बल्लेबाज जावेद मियांदाद के बीच हमेशा से छत्तीस का आंकड़ा रहा था। इसी दौरान मियांदाद क्रीज पर थे और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मर्व ह्यूज गेंदबाजी कर रहे थे। मियांदाद ने मर्व ह्यूज को चिढ़ाने के लिए कहा, 'मर्व, तुम बहुत मोटे हो। तुम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं, बल्कि बस एक बस ड्राइवर जैसे लगते हो।'

मर्व ह्यूज ने उस समय कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन कुछ ओवर बाद उन्होंने मियांदाद को क्लीन बोल्ड कर दिया। मियांदाद के पवेलियन की तरफ मुड़ते ही मर्व ह्यूज उनके पीछे भागे और चिल्लाए, 'टिकट प्लीज! अपनी बस की टिकट दिखाते जाओ!' इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हंसने लगे। मैदान पर हुई यह नोकझोंक क्रिकेट के मजेदार किस्सों में शामिल हो गई। पाकिस्तान के बल्लेबाज जावेद मियांदाद अपने आक्रामक रवैये और मैदान पर स्लेजिंग (Sledging) के लिए कुख्यात थे। भारत-पाकिस्तान मुकाबलों के दौरान वे अक्सर विपक्षी खिलाड़ियों को ताने मारते थे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No. UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक निर्भय कुमार सेंगर के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर, बी-9, गायत्री भवन, विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास, रामघाट रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300